पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा आयोजित एग्रोटेक-2015 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

लखनऊः 14 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा आयोजित एग्रोटेक-2015 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक श्री कलीम उल्ला, श्री सन्तोष कुमार सिंह, श्री हबीब खान, श्री शैलेन्द्र वर्मा, श्रीमती कुसुम सिंह, श्री आदित्य नरायण सिंह, श्री राम सरन वर्मा व अन्य को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी लगाने वाले कुछ स्टालों को भी सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने वहाँ उपस्थित कृषक समूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। हमारे राष्ट्र की बढ़ रही आबादी की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना, कृषि की क्षमता और योग्यता पर निर्भर करेगा। वैज्ञानिक परिवेश में व्यवसायिक दृष्टिकोण देते हुए आज की कृषि को उसके अनुरूप ढालना होगा। अधिक लाभ के लिये किसान पारम्परिक खेती के साथ फूल-फल और सब्जियों की खेती पर भी जोर दें। उन्होंने कहा कि हमारे किसान वैज्ञानिक सोच के तहत अपनी शक्ति पहचान कर आत्म विश्वास से खेती करें तो देश आगे बढेगा।

श्री नाईक ने कहा कि किसानों को जानकारी देने की दृष्टि से ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण होते हैं। वैज्ञानिक अपनी खोज व तकनीक से किसानों को अवगत करायें। वैज्ञानिक आधार व आधुनिक पद्धति से खेती में ज्यादा लाभ होगा। भाषण नहीं कृतत्व से किसानों का भला होगा। फूलों और फलों के अच्छे दाम मिलते हैं तथा उनकी मांग बाजार में दिनों दिन बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को ज्यादा समय तक अपने उत्पाद को सुरक्षित रखने के तरीके से अवगत कराया जाये जिससे उनकी उपज का सही दाम मिलें।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेती की अच्छी संभावना है। यहाँ सिंचाई के लिये नदियाँ व नहरें हैं। राजभवन की प्रदर्शनी की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लौकी और कद्दू को देखकर कोई भी आश्चर्य कर सकता है। मलिहाबाद में 3.5 किलों वजन का एक आम देखने को मिला था। पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा दिया था। आज किसान इतना उत्पादन कर रहे हैं कि देश निर्यात करने में सक्षम है। वैज्ञानिक तरीके अपनाने से और लाभ हो सकता है। प्रदेश के किसान ऐसे आयोजन से जानकारी प्राप्त करके लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के किसानों में प्रतिभा और ताकत दोनों है।

एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप के अध्यक्ष, श्री एम0जे0 खान ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में कृषि क्षेत्र में चुनौतियाँ बढी हैं। मसाला उद्योग में अच्छी संभावनायें हैं। उन्होंने कहा कि किसान को बाजार से जोडने की जरूरत है।

कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद, श्री अख्तर हसीब ने कहा कि कृषि उत्पादन में गुणवत्ता बहुत आवश्यक है। कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार के माध्यम से कृषि को बढाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके व गुणवत्तायुक्त उत्पादन कृषि विकास के लिये महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रो0 राजेन्द्र कुमार व डा॰0 ओ0के0 सिन्हा ने भी अपने विचार रखें। राज्यपाल ने पत्रिका का विमोचन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research
संस्थान
अपनाएं
CoPk 05191
को.पीके 05191